

17/3/2025 पञ्जाबी केश डूँडी। वहील पहाकरान
इपरखित है। पञ्जाबी में पूर्व में
वहल बुनी जा चुकी है। पञ्जाबी
का अकलौकन व मनन करने के
पश्चात् १० का १० पर अन्तर्गत
धारा 111, 128 भूराजत्व अधिनियम
स्वीकार किया जाता है। निर्दिष्ट पुस्तक
से उक्त क़रवाला जाकर शामिल
पञ्जाबी किताब अथा। निर्दिष्ट की
पालना हेतु लहरीलहर को लहरीर
जारी है। पञ्जाबी के अलावा बुना
होकर फर्ज नम्बर से कम हो।
आइए मुझे पाला लय में सुनाया
जमा।

अधिकारी
साँवर लेक

